Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 13 September 2024

Dainik Jagran
Page - 04

बीबीए में प्रवेश को काउंसिलिंग आज

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग में संचालित बीबीए पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए चौथे चरण की काउंसिलिंग शुक्रवार को होगी। प्रवेश सीट की उपलब्धता और वरीयता क्रम के अनुसार होगा। ईडब्लूएस संवर्ग के 62 अंक तक पाने वाले अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया है। एससी, एसटी के सभी अभ्यर्थी आमंत्रित किए गए हैं।

डा. प्रियंका की पुस्तक 'प्लांट डाइवर्सिटी' का हुआ विमोचन

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में गुरुवार को पुस्तक विमोचन कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में डा. प्रियंका विश्वकर्मा की पुस्तक 'ए टेक्स्ट बुक आफ बाटनी : प्लांट डाइवर्सिटी' का विमोचन किया गया। विमोचन करने के बाद विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल द्विवेदी ने कहा कि यह पुस्तक छात्रों के लिए बहुत मददगार होगी, क्योंकि इसे बहुत ही सरल भाषा में लिखा गया है। प्रो. एनएन त्रिपाठी ने कहा कि समझने की दृष्टि से यह किताब छात्रों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगी। लेखक डा. प्रियंका ने बताया कि डिस्काउंट ग्रुप आफ पब्लिकेशन की ओर से प्रकाशित पुस्तक पौधों की विविधता का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करती है। कार्यक्रम में प्रो. पूजा सिंह, डा. अशोक कुमार, डा. अभय कुमार, डा. दीपा श्रीवास्तव, डा. स्मृति मल्ल आदि मौजूद रहीं।

Amar Ujala
Page - 07

डीडीयू: कुंडलिनी पत्रिका का सीएम करेंगे विमोचन

संवाद न्यूज एजेंसी

नाथपंथ, योग एवं स्वास्थ्य विषय पर केंद्रित है पत्रिका

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 14 सितंबर को 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के द्वारा गोरक्षनाथ शोधपीठ की अर्द्धवार्षिक पत्रिका कुंडलिनी का विमोचन किया जाएगा। यह पत्रिका नाथपंथ, योग एवं स्वास्थ्य विषय पर केंद्रित है।

शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशल नाथ मिश्र ने बताया कि पहले अंक में देश के विभिन्न शोधार्थियों एवं विद्वानों के 30 लेख प्रकाशित किए गए हैं। यह शोधपीठ एवं विश्वविद्यालय के द्वारा प्रकाशित होने वाली नाथपंथ व योग से जुड़ी पहली पत्रिका है।

इस पत्रिका की संरक्षक कुलपति प्रो. पूनम टंडन, संपादक डॉ. कुशल नाथ मिश्र, सह संपादक डॉ. सोनल सिंह, डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी और संपादन सहयोगी डॉ. सुनील कुमार, डॉ. हर्षवर्धन सिंह एवं चिन्मयानन्द मल्ल हैं।

फ्रेशर पार्टी में छात्र-छात्राओं ने दिखाया उत्साह

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के एमए तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के छात्रों का स्वागत करने के लिए बृहस्पतिवार को एक फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया। कार्यक्रम के शुरुआत मनोविज्ञान परिषद की अध्यक्ष के रूप में डॉ. रश्मि रानी ने स्वागत किया। एएम तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य एवं खेल में अपनी प्रतिभा के माध्यम से उपस्थित सभी का मनोरंजन किया। कार्यक्रम के दौरान मोहित को मिस्टर फ्रेशर और आकांक्षा को मिस फ्रेशर चुना गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। संवाद

Hindustan
Page - 09

कुंडलिनी पत्रिका का कल मुख्यमंत्री करेंगे विमोचन

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 14 सितंबर को 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ की अर्द्धवार्षिक पत्रिका कुंडलिनी का विमोचन किया जाएगा। यह पत्रिका नाथपंथ, योग एवं स्वास्थ्य विषय पर केंद्रित है।

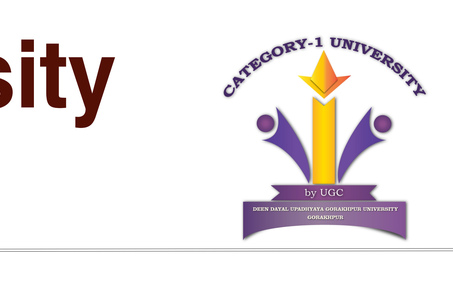

- डीडीयू में नाथपंथ पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी कल से
- सीएम योगी उद्घाटन सत्र व प्रो. विश्वनाथ होंगे समापन सत्र के मुख्य अतिथि

शोधपीठ के उप निदेशक डॉ. कुशल नाथ मिश्र ने बताया कि पहले अंक में देश के विभिन्न शोधार्थियों एवं विद्वानों के 30 लेख प्रकाशित किए गए हैं। यह शोधपीठ एवं विवि द्वारा प्रकाशित होने वाली नाथपंथ एवं योग को लेकर पहली पत्रिका है। इस पत्रिका की संरक्षक कुलपति प्रो. पूनम टंडन, संपादक डॉ. कुशल नाथ मिश्र, सह संपादक डॉ. सोनल सिंह, डॉ. मनोज द्विवेदी, सम्पादन सहयोगी डॉ. सुनील कुमार, डॉ. हर्षवर्धन सिंह एवं चिन्मयानन्द मल्ल हैं। डीडीयू एवं हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 14 व 15 सितंबर को संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। सीएम योगी 14 को पूर्वाह्न 11 बजे बतौर मुख्य अतिथि संगोष्ठी का शुभारंभ करेंगे।

Rashtriya Sahara
Page - 07

बीबीए प्रथम सेमेस्टर का रिक्त सीटों पर प्रवेश आज

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग के अन्तर्गत बीबीए प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2024-25) में चतुर्थ काउंसिलिग में बची हुई सीटों पर प्रवेश कार्यक्रम जारी हो गया है। जिसके अनुसार के सीट की उपलब्धता एवं वरियता क्रम के अनुसार शुक्रवार को प्रवेश होगा। विश्वविद्यालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को (13 सितंबर 2024) को दोपहर 12 से 02 बजे तक ईडब्ल्यूएस 62 अंक तक, अनुसूचित जाति समस्त तथा अनुसूचित जनजाति समस्त। सभी प्रवेशार्थी समस्त प्रमाण-पत्रों, उनकी छायाप्रति तथा अन्य प्रमाणपत्रों के साथ व्यवसाय प्रशासन विभाग, महाराणा प्रताप परिसर, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते है। यह जानकारी मनीष कुमार श्रीवास्तव ने दी।

Amar Ujala Select
Page - 4

डीडीयू : कुंडलिनी पत्रिका का मुख्यमंत्री करेंगे विमोचन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 14 सितंबर को 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' विषय पर आयोजित

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के द्वारा गोरक्षनाथ शोधपीठ की अर्द्धवार्षिक पत्रिका कुंडलिनी का विमोचन किया जाएगा। यह पत्रिका नाथपंथ, योग एवं स्वास्थ्य विषय पर केंद्रित है। शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशल नाथ मिश्र ने बताया कि पहले अंक में देश के विभिन्न शोधार्थियों एवं विद्वानों के 30 लेख प्रकाशित किए गए हैं। यह शोधपीठ एवं विश्वविद्यालय के द्वारा प्रकाशित होने वाली नाथपंथ व योग से जुड़ी पहली पत्रिका है।

Swatantra Chetna Page - 04,05

मुख्यमंत्री करेंगे कुंडलिनी पत्रिका का विमोचन

□ अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी विषय समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान का उद्घाटन सत्र कल

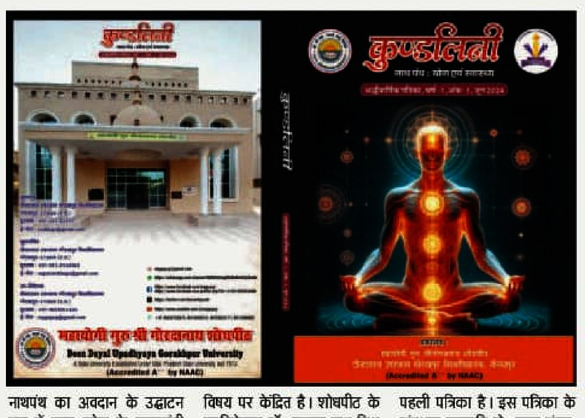

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 14 सितंबर को आयोजित हो रहे अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी विषय समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान के उद्घाटन सत्र में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के द्वारा महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ की अर्द्धवार्षिक पत्रिका कुंडलिनी का विमोचन किया जाएगा। यह पत्रिका नाथपंथ, योग एवं स्वास्थ्य विषय पर केंद्रित है। शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशल नाथ मिश्र ने बताया कि पहले अंक में देश के विभिन्न शोधार्थियों एवं विद्वानों के 30 लेख प्रकाशित किए गए है। यह शोधपीठ एवं विश्वविद्यालय के द्वारा प्रकाशित होने वाली नाथपंथ एवं योग को लेकर पहली पत्रिका है। इस पत्रिका के संरक्षक कुलपति प्रो. पूनम टंडन, संपादक डॉ. कुशल नाथ मिश्र, सह संपादक डॉ. सोनल सिंह, डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी, सम्पादन सहयोगी डॉ. सुनील कुमार, डॉ. हर्षवर्धन सिंह एवं चिन्मयानन्द मल्ल है।

Inext Page - 04

अंग्रेजी विभाग में होगी इंटरनेशनल कांफ्रेंस

आईसीएसएसआर के सहयोग से आयोजित होगी कांफ्रेंस

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (12 Sept): दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी विभाग में 19 और 20 सितंबर को 'एनवायरनमेंटल एंड अपोकैलिप्टिक इमेजिनेशन इकोक्रिटिकल रीडिंग्स इन साउथ एशियन लिट्रेचर' सब्जेक्ट पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा. आईसीएसएसआर के सहयोग से आयोजित इस कांफ्रेंस में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और जी-20 की प्राथमिकताओं पर डिबेट की जाएगी. इसमें साहित्य के माध्यम से पर्यावरणीय चिंताओं और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों स्पेशलिस्ट अपनी राय देंगे. इस कांफ्रेंस में देश-विदेश के 250 से अधिक विद्वान और रिसर्च स्कालर पर्यावरणीय मुद्दों और साहित्य के बीच के संबंधों पर अपने शोध और अध्ययन पेश करेंगे.

20 सितंबर को होगा समापन

कांफ्रेंस का समापन सत्र 20 सितंबर को आयोजित किया जाएगा. इसकी अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी करेंगे. इस सत्र में ओहियो यूनिवर्सिटी यूएसए के प्रो. योगेश सिन्हा और एमिटी यूनिवर्सिटी के प्रो. सत्यार्थ त्रिपाठी मुख्य वक्ता होंगे. उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के विशेष सचिव श्री चंद्रभूषण त्रिपाठी इस सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे.

अध्यक्षता करेंगी वीसी

कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी. इसमें पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के प्रो. अक्षय कुमार मुख्य वक्ता व लखनऊ यूनिवर्सिटी की प्रो. निशी पाण्डेय मुख्य अतिथि की भूमिका में शामिल होंगी. जवाहर लाल यूनिवर्सिटी के आचार्य एवं आईसीएसआर के सचिव प्रो. धनंजय सिंह भी उद्घाटन सत्र में मौजूद रहेंगे.

अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष और कांफ्रेंस के संयोजक प्रो. अजय कुमार शुक्ल ने बताया कि यह कांफ्रेंस पर्यावरण और साहित्य के बीच के अंतर्संबंधों पर डिबेट के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगी. प्रो. शुक्ल ने कहा, यह सेमिनार न केवल पर्यावरणीय मुद्दों पर साहित्यिक दृष्टिकोण से किए गए नए रिसर्च और चिंताओं को साझा करने का अनूठा अवसर देगी बल्कि यह सतत विकास और वैश्विक सहयोग को भी प्रोत्साहित करेगी.

बीबीए में प्रवेश को काउंसिलिंग आज

GORAKHPUR (12 Sept): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर के व्यवसाय प्रशासन विभाग में संचालित बीबीए पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए चौथे चरण की काउंसिलिंग शुक्रवार को होगी. प्रवेश सीट की उपलब्धता और वरीयता क्रम के अनुसार होगा. काउंसिलिंग प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए विभाग ने ईडब्लूएस संवर्ग के 62 अंक तक पाने वाले अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया है. अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के सभी अभ्यर्थी आमंत्रित किए गए हैं.

मोहित मिस्टर व आकांक्षा मिस फ्रेशर चुने गए

गोरखपुर। डीडीयू के मनोविज्ञान विभाग में एमए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें मोहित को मिस्टर फ्रेशर और आकांक्षा को मिस फ्रेशर चुना गया। मनोविज्ञान परिषद की अध्यक्ष के रूप में डॉ. रश्मि रानी ने स्वागत किया। डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे, विभागाध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार, ताहरीम सादिक, डॉ. गिरिजेश यादव, डॉ. विस्मिता पालिवाल, डॉ. अमित त्रिपाठी, डॉ. रामकीर्ति सिंह, डॉ. गरिमा सिंह व डॉ. प्रियंका गौतम मौजूद रहे।

बॉटनी की पुस्तक का हुआ लोकार्पण

गोरखपुर। डीडीयू में बॉटनी विभाग में डॉ.प्रतिमा विश्वकर्मा की पुस्तक 'ए टेक्स्टबुक ऑफ बॉटनी : प्लांट डाइवर्सिटी-1' का गुरुवार को लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विभागाध्यक्ष प्रो.अनिल कुमार द्विवेदी ने पुस्तक की विशेषता पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि प्रो.एनएन त्रिपाठी ने कहा कि पुस्तक छात्रों के लिए उपयोगी साबित होगी। इस दौरान प्रकाशक ग्रुप के सौरभ सिंह ने सभी का आभार ज्ञापित किया। इस दौरान डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अभय कुमार, डॉ. दीपा श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

Super fast Times

कुण्डलिनी पत्रिका का विमोचन करेंगे मुख्यमंत्री

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 14 सितम्बर को आयोजित ह्यसमरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का योगदानह्न विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ शोधपीठ की अर्द्धवार्षिक पत्रिका कुण्डलिनी का विमोचन करेंगे। यह पत्रिका नाथपंथ, योग एवं स्वास्थ्य पर केन्द्रित है। शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ० कुशल नाथ मिश्र ने बताया कि प्रथम अंक में देश के विभिन्न शोधकताओं एवं विद्वानों के 30 आलेख प्रकाशित किये गये हैं। शोधपीठ एवं विश्वविद्यालय द्वारा नाथपंथ एवं योग पर प्रकाशित यह प्रथम पत्रिका है। इस पत्रिका की संरक्षक कुलपति प्रो०पूनम टण्डन, सम्पादक डॉ०कुशल नाथ मिश्र,सह-सम्पादक डॉ० सोनल सिंह,डॉ० मनोज कुमार द्विवेदी, सम्पादकीय सहयोगी डॉ० सुनील कुमार,डॉ० हर्षवर्धन सिंह एवं चिन्मयानंद मल्ल हैं।

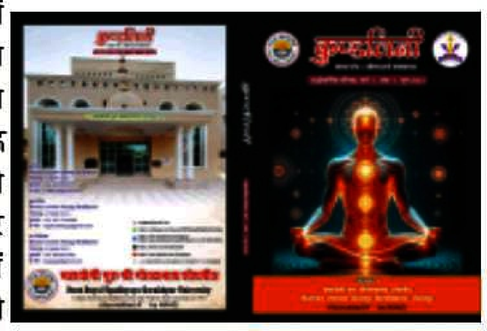

अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में जुटेंगे देश-विदेश के विद्वान

दक्षिण एशियाई साहित्य में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर होगी गहन चर्चा

शाश्वत राम तिवारी

सुपर फास्ट टाइम्स

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा 19 और 20 सितंबर को "पर्यावरण और सर्वनाशी कल्पनाः दक्षिण एशियाई साहित्य में पारिस्थितिकी आलोचनात्मक अध्ययन" विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य साहित्यिक दृष्टिकोण से पर्यावरणीय चुनौतियों और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर व्यापक चर्चा करना है। यह संगोष्ठी भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित की जा रही है और इसमें देश-विदेश के 250 से अधिक विद्वान,साहित्यकार और शोधकर्ता भाग लेंगे। इस संगोष्ठी में संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और जी-20 की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए दक्षिण एशियाई साहित्य में पर्यावरणीय संकट और सर्वनाशी चिंताओं को साहित्यिक रूप से समझने और उनका विश्लेषण करने का प्रयास किया जाएगा। इस आयोजन में जलवायु परिवर्तन के साहित्यिक अन्वेषण पर विशेष जोर दिया जाएगा,जिसमें विभिन्न साहित्यिक कृतियों के माध्यम से पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य को समझने का प्रयास किया जाएगा। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो० पूनम टंडन करेंगी और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से प्रो० अक्षय कुमार और लखनऊ विश्वविद्यालय से प्रो० निशि पांडे मुख्य वक्ता होंगे। समापन सत्र में ओहियो विश्वविद्यालय,अमेरिका से प्रो० योगेश सिन्हा और एमिटी विश्वविद्यालय से प्रो० सत्यार्थ त्रिपाठी मुख्य वक्ता होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण,वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के विशेष सचिव चंद्रभूषण त्रिपाठी समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह दो दिवसीय संगोष्ठी पर्यावरण और साहित्यिक मुद्दों पर गहन चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करेगी, जिससे शैक्षणिक और सामाजिक दृष्टिकोण से पर्यावरण संवेदनशीलता को बढ़ावा मिलेगा।

"यह संगोष्ठी न केवल साहित्यिक दृष्टिकोण से पर्यावरण संकटों पर चर्चा करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगी, बल्कि यह हमारे छात्रों और विद्वानों के लिए एक अनूठा अवसर भी है। साहित्यिक विमर्श के माध्यम से पर्यावरण समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए सार्थक संवाद करना निश्चित रूप से लाभकारी होगा।"

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

"पर्यावरण संबंधी चिंताओं और साहित्य के बीच संबंध को समझना समय की मांग है। साहित्य केवल शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक और प्राकृतिक परिवेश के साथ हमारे संबंधों को भी परिभाषित करता है। यह संगोष्ठी हमें इस दिशा में एक नई दृष्टि प्रदान करेगी, जिससे हम साहित्य के माध्यम से सतत विकास और वैश्विक पर्यावरण संबंधी चिंताओं को गहराई से समझ सकेंगे।"

प्रो. अजय कुमार शुक्ला, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, संगोष्ठी समन्वयक